ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

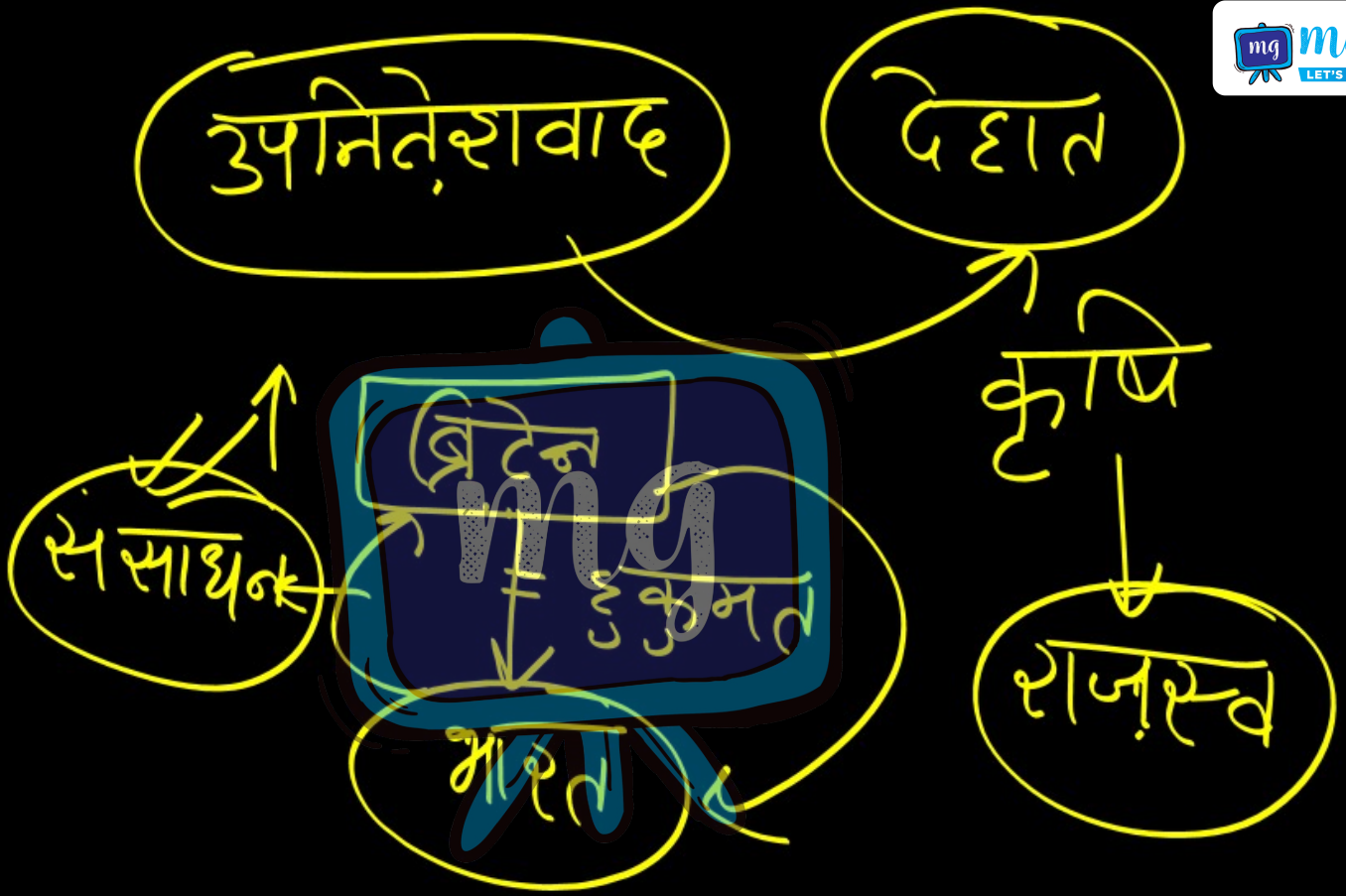
अध्याय - 9

# उपनिवेशवाद और देहात

भाग - 1

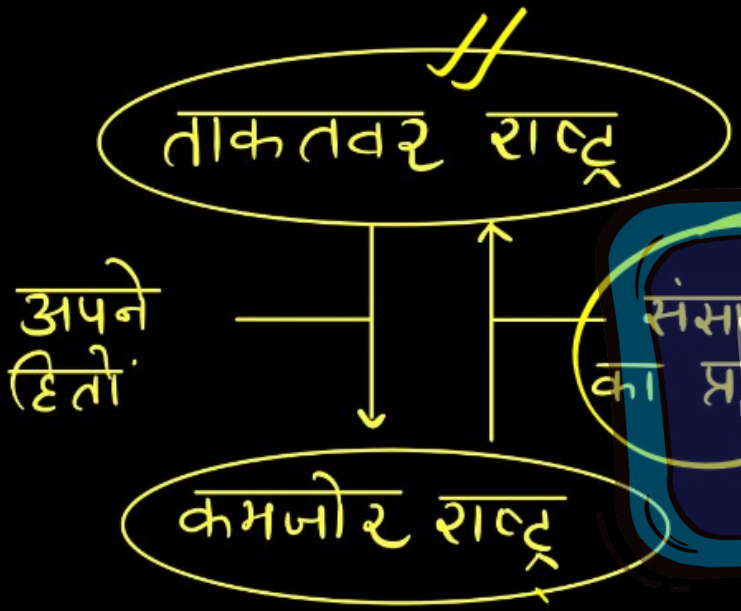
प्रीतेश जोशी




उपनिवेशवाद
देहात
कृषि
राजस्व
ब्रिटेन
संसाधन
भारत

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




## उपनिवेशवाद का अर्थ

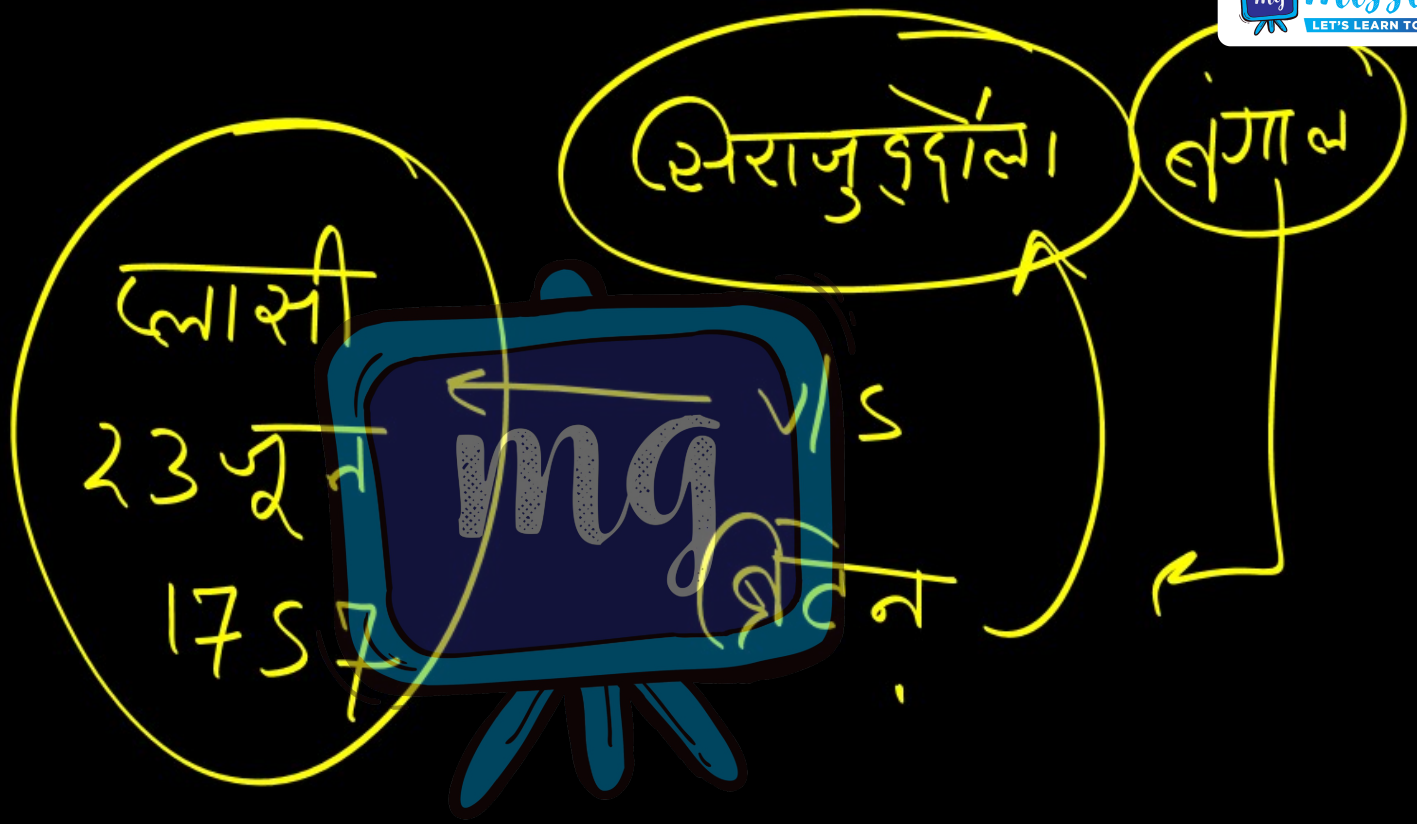
- किसी समूह एवं शक्तिशाली राष्ट्र द्वारा अपने विभिन्न हितों को साधने के लिए किसी निर्बल राष्ट्र के विभिन्न संसाधनों का शक्ति के बल पर उपभोग करना।
- भारत में लंबे समय तक ब्रिटेन के द्वारा औपनिवेशिक शासन किया गया।

संसाधन

ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER




सिराजुद्दौला।
बंगाल
प्लासी
23 जून
1757
vs
ब्रिटेन

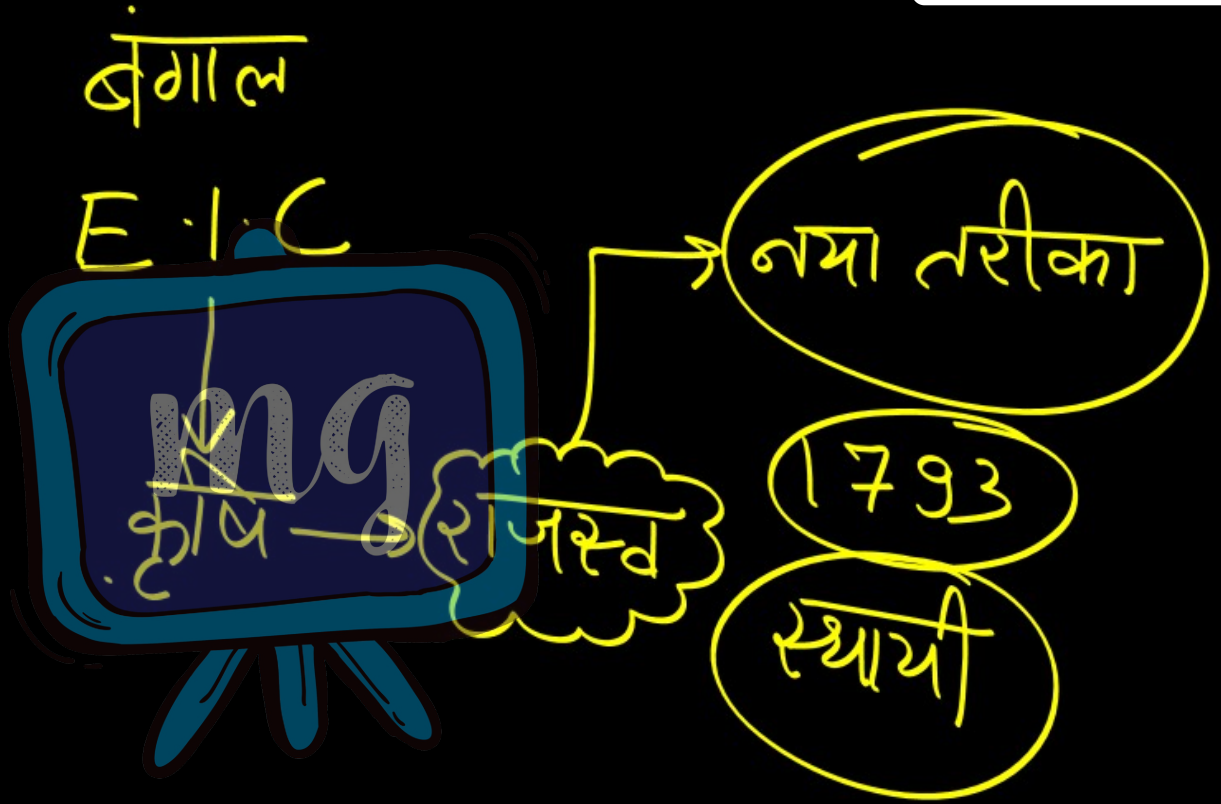
ipca
A dose of life

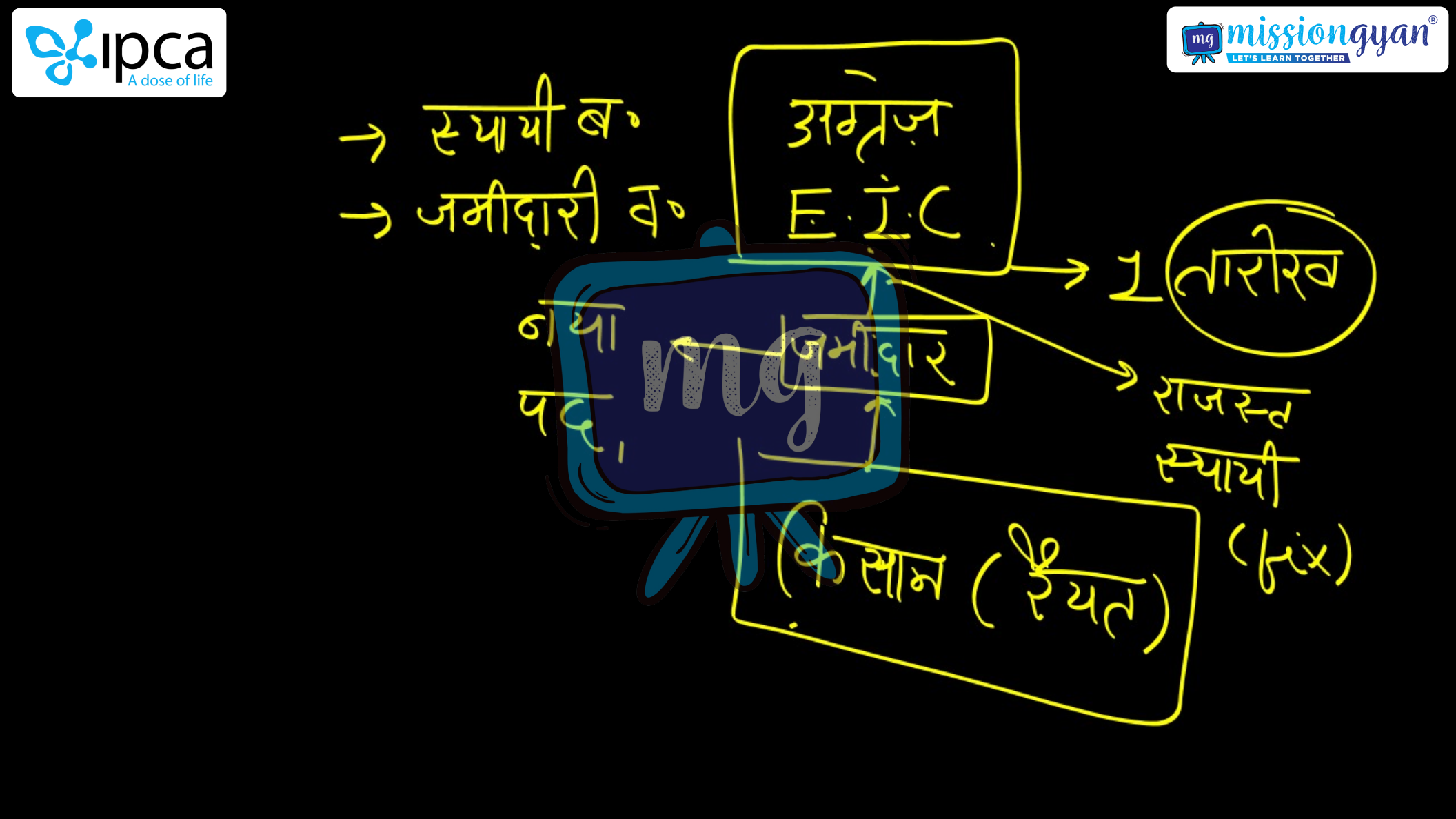
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

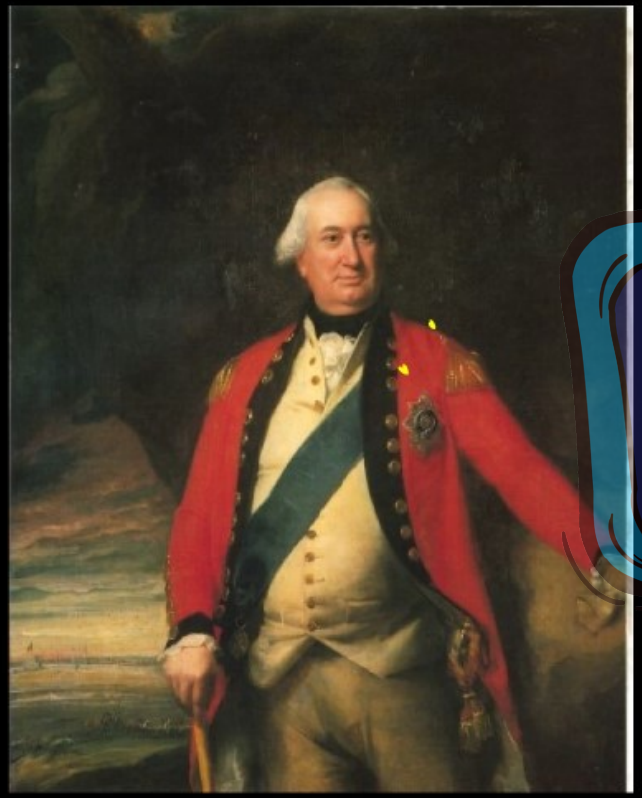
- 23 जून 1757 को प्लासी का युद्ध हुआ।
  - ईस्ट इंडिया कंपनी (अंग्रेज) Vs बंगाल का नवाब सिराजुद्दौला
- भारत में औपनिवेशिक शासन सर्वप्रथम बंगाल में स्थापित हुआ।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



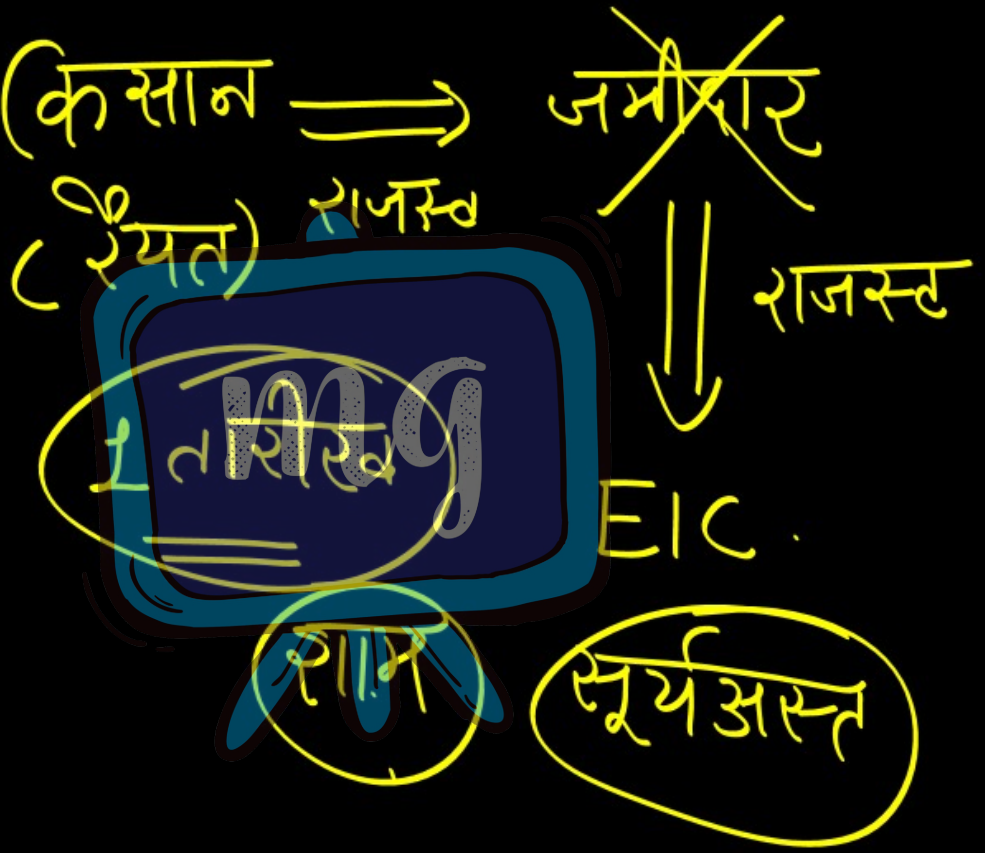

→ स्थायी ब॰
→ जमीदारी ब॰
अंग्रेज़
E.I.C
1 तारीख
बाधा
पद।
जमीदार
राजस्व
स्थायी
(Fix)
किसान (रैयत)



- 1793 – लॉर्ड कार्नवालिस के द्वारा बंगाल में इस्तमरारी व्यवस्था / जमींदारी व्यवस्था / स्थायी बन्दोबस्त लागू किया गया।

कृषक → जमींदार → ईस्ट इंडिया कंपनी

- सूर्यास्त कानून के तहत जमींदारी नीलाम कर दी जाती थी।


किसान ⟹ जमींदार
(रैयत) राजस्व
राजस्व
1 तहसील
EIC
राम
सूर्यअस्त


mg

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. इस्तमरारी व्यवस्था क्या थी ?

- किसके
- कब
- अध्ययन
- स्वरूप अस्त्र कानून



ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

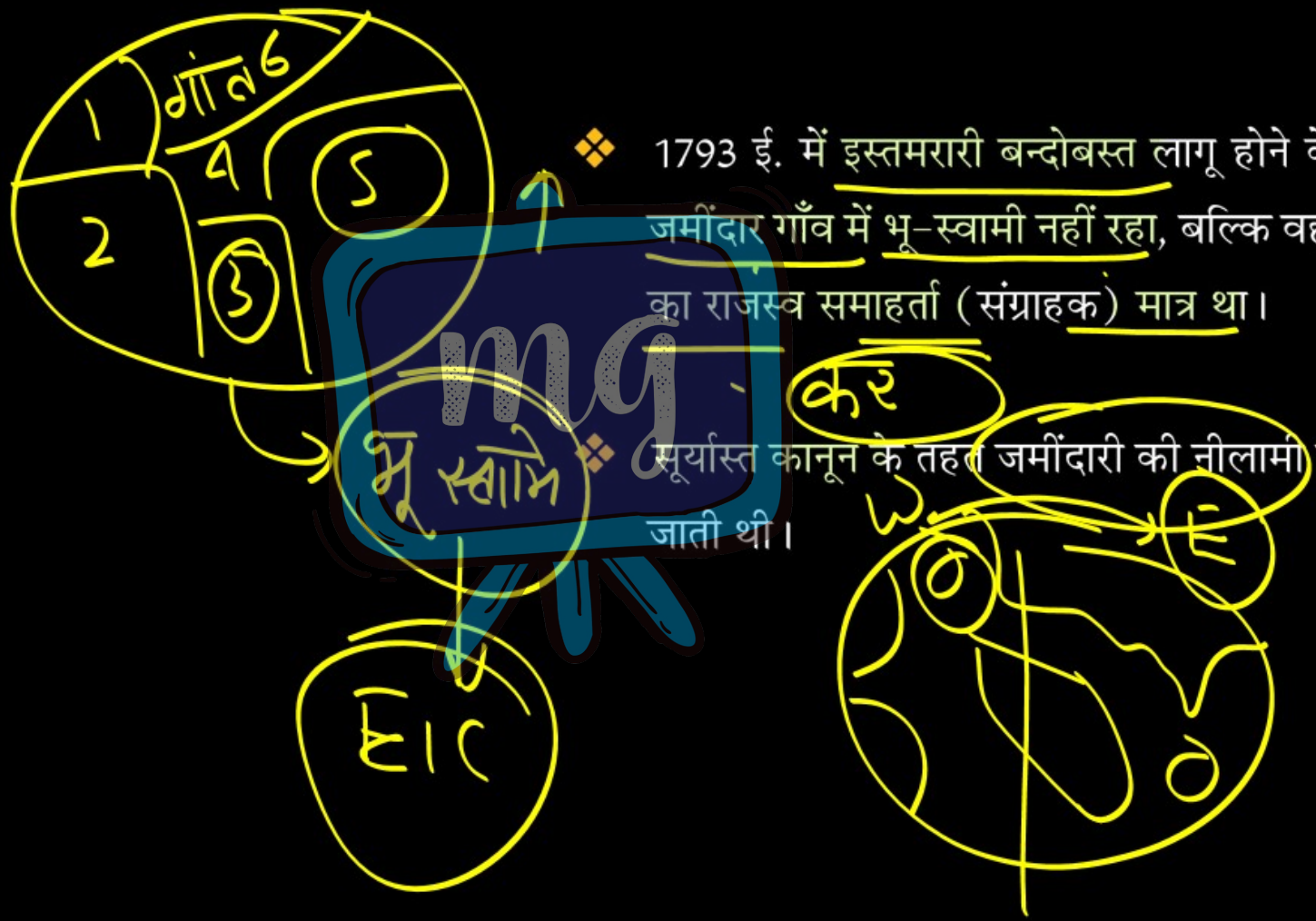



1. बंगाल और वहां के जमींदार :-

- जमींदारी व्यवस्था क्यों लागू की गई ?
- अंग्रेज (ईस्ट इंडिया कम्पनी) राजस्व से प्राप्त आय को निश्चित करना चाहते थे।
- जमींदारों के पास कृषि में सुधार करने के लिए पूंजी और उद्यम दोनों होंगे।
- जमींदार वर्ग कंपनी के प्रति वफादार बना रहेगा।

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




- 1793 ई. में इस्तमरारी बन्दोबस्त लागू होने के बाद जमींदार गाँव में भू-स्वामी नहीं रहा, बल्कि वह राज्य का राजस्व समाहर्ता (संग्राहक) मात्र था।
- सूर्यास्त कानून के तहत जमींदारी की नीलामी कर दी जाती थी।

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# जमींदारी की निलामी



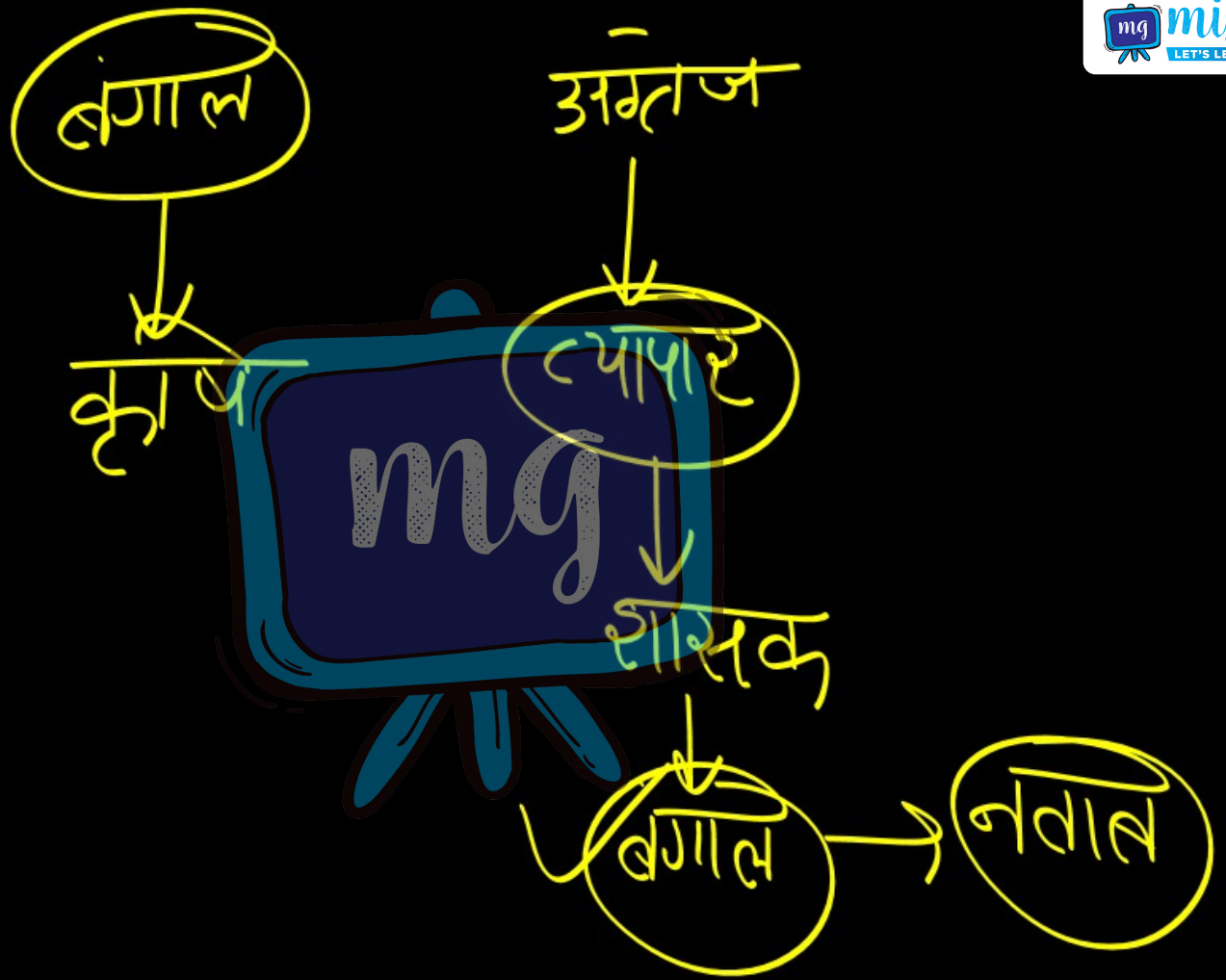
मेहताब चन्द

राजस्व बकाया → निलामी

बचा → स्वयं

नकली खरीदार

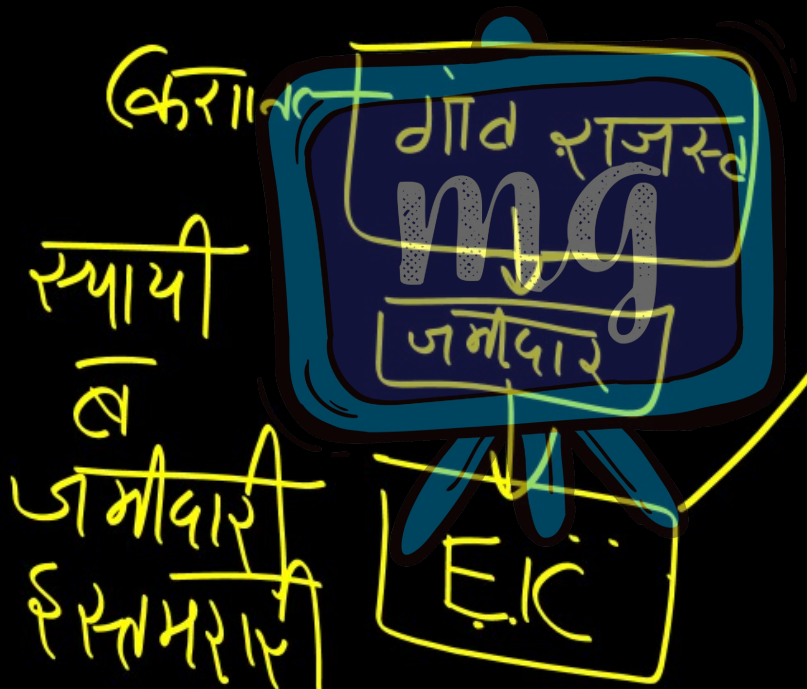
राजा के नौकर


बंगाल
अंग्रेज
कृषि
व्यापार
शासक
बंगाल
नवाब

ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

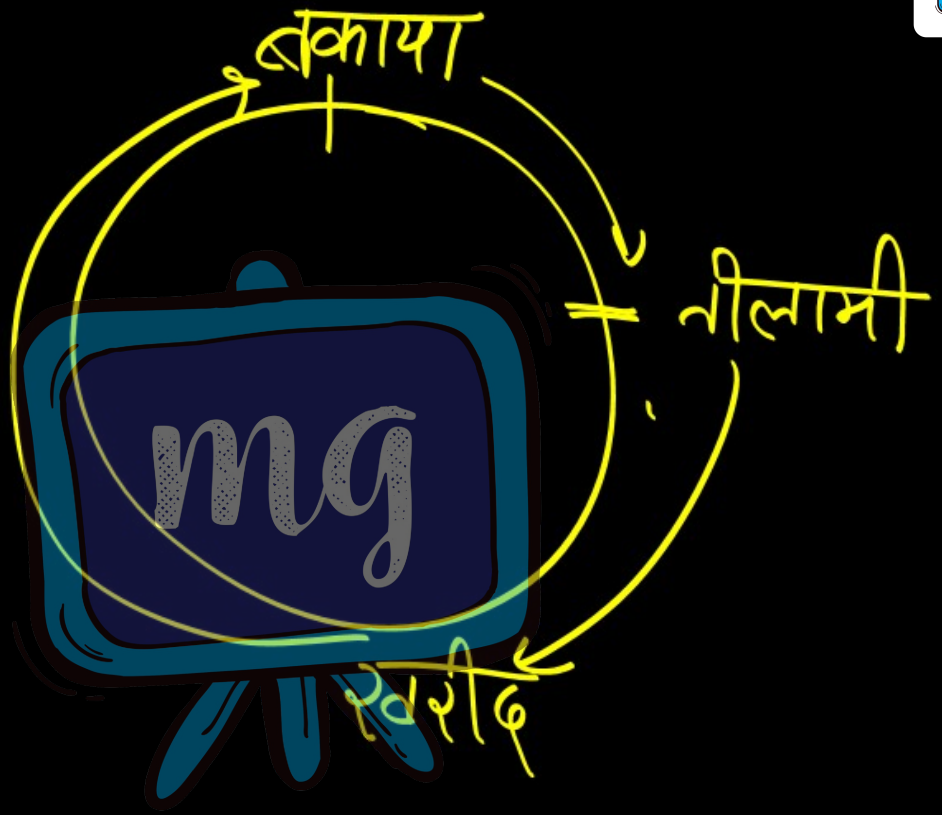
# 1793 लॉर्ड कॉर्नवालिस




नीलामी
नहीं

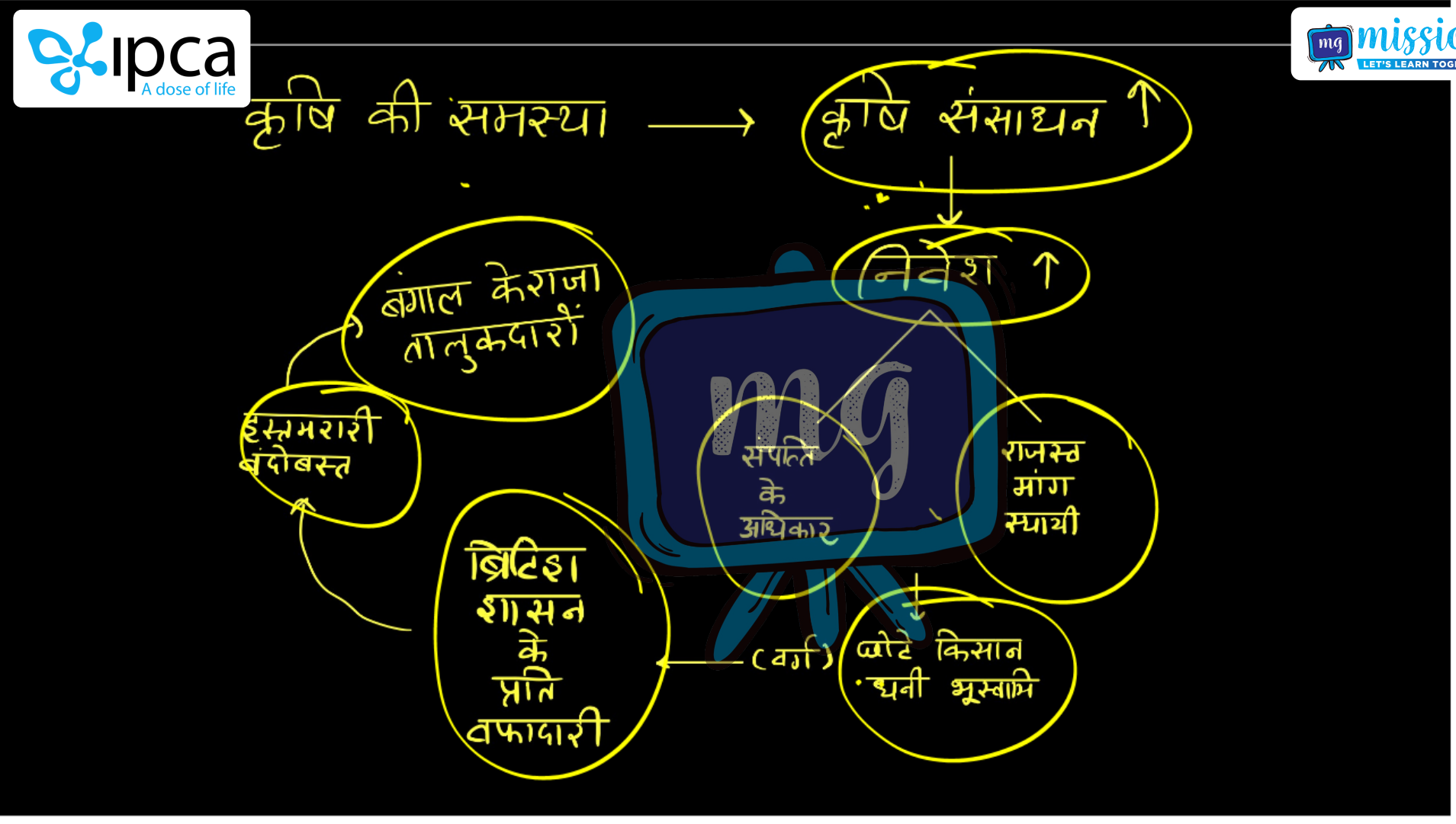
ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



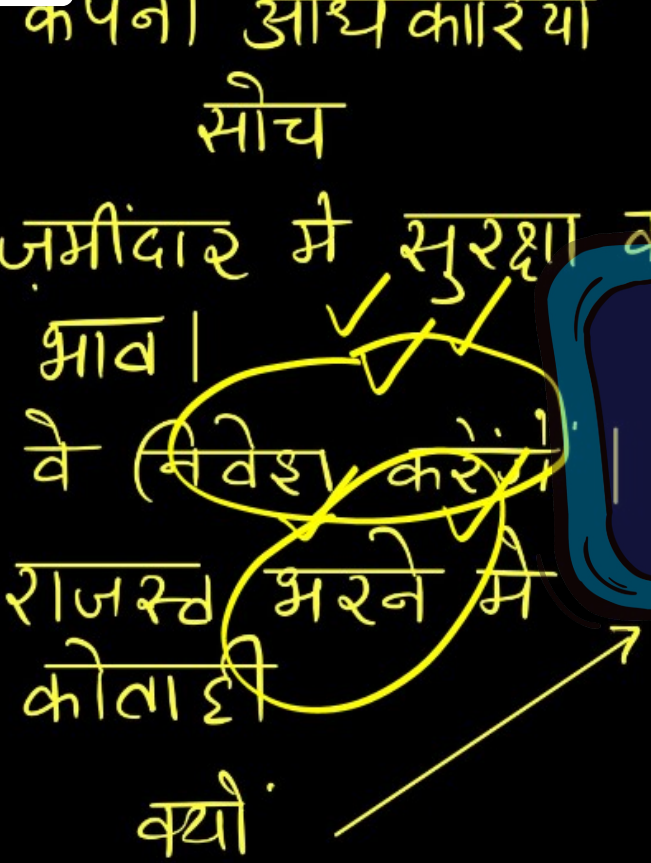
ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




## जमींदारों की असफलता के कारण

1. प्रारम्भिक मांगें बहुत ऊँची थी।
2. यह ऊँची मांगें 1790 के दशक में लागू की गयी थी, जब कृषि की उपज की कीमतें नीचीं थी।
3. राजस्व असमान था (अकाल)
4. प्रारम्भ में जमींदार की शक्ति को रैयत से राजस्व इकट्ठा करने और अपनी जमींदारी का प्रबंध करने तक ही सीमित कर दिया था। स्थानीय न्याय और स्थानीय पुलिस की व्यवस्था करने की शक्ति छीन ली गयी थी।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

18" शताब्दी → धनी किसान (वर्ग) → ज़मींदारों से अधिक शक्तिशाली

साहूकार + महाजन

## अन्य नाम

- पंटीदार
- हवलदार
- मण्डल



- गांव मे रहते थे
- अमीदारों का प्रतिरोध
- रैयतों को एकजुट
- ज़मींदारी खरीद लेते थे।